जन सम्पर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.com

प्रो. राजेश कुमार धूड़िया
समन्वयक
9079635136

डॉ. देवीसिंह राजपूत
सह–समन्वयक
9461014303

क्रमांक 298 **13 अक्टूबर, 2019**

प्रेस–विज्ञप्ति

विश्वविद्यालय के देशी गोवंश संवर्द्धन कार्यों का किया अवलोकन

भारतीय गोवंश सामाजिक विकास व पर्यावरण सुरक्षा का है एक सशक्त माध्यम : कामधेनु आयोग अध्यक्ष डॉ. कथीरिया

बीकानेर, 13 अक्टूबर। राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने वेटरनरी विश्वविद्यालय में रविवार को डीन–डायरेक्टर, विभागाध्यक्षों, अनुसंधान परियोजनाओं के प्रमुख अन्वेषकों और शोधार्थी विद्यार्थियों से मुलाकात करके देशी गोवंश के संरक्षण और संवर्द्धन कार्यों की जानकारी ली। डॉ. कथीरिया ने राजुवास के राठी गोवंश केन्द्र पर उन्नयन संवर्द्धन कार्यों का अवलोकन किया। राजुवास के कुलपति प्रो. विष्णु शर्मा ने राज्य में देशी गोवंश के संरक्षण और विकास कार्यों से अवगत करवाया। कुलपति सचिवालय में आयोजित बैठक में डॉ. कथीरिया ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि भारतीय गोवंश वर्तमान सामाजिक, विकास, मानव स्वास्थ्य के हित और पर्यावरण को ठीक बनाए रखने का एक सशक्त विकल्प है। अब समय आ गया है कि हम देशहित में अपने गोवंश के गौरव की पुर्नःस्थापना के कार्य में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि विदेशों में श्रेष्ठ भारतीय गोवंश को लेकर उन्नत अनुसंधान हो रहा है लेकिन हम अपनी क्षमताओं के प्रति जागरूक नहीं हैं। हमारे यहां देशी गोवंश का संरक्षण, सवंर्द्धन और उन्नत शोध हो रहा है लेकिन गौपालकों तक इसके प्रसार की आवश्यकता बनी हुई है। देशी गोवंश का ए–2 श्रेणी का दूध, गोबर और गौमूत्र की उपयोगिता पर उन्नत शोध किया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का आह्‌वान किया कि वे गौवंश उत्पादों का वैज्ञानिक सत्यापन कर लोगों को जागरूक करें। आयोग केन्द्र सरकार से आवश्यक वित्तीय संसाधन मुहैय्या करवाएगा। केन्द्र के 40 विभागों के साथ समन्वय करके इन कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। डॉ. कथीरिया ने राज्य में वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा देशी गोवंश के संरक्षण और संवर्द्धन कार्यों की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विष्णु शर्मा ने बताया कि राज्य में स्थापित 8 पशुधन अनुसंधान केन्द्रों पर

प्रो. राजेश कुमार धूड़िया
समन्वयक
9079635136

डॉ. देवीसिंह राजपूत
सह–समन्वयक
9461014303

राज्य की श्रेष्ठ राठी, थारपारकर, कांकरेज, साहीवाल, गिर और मालवी के अनुसंधान और नस्ल सुधार कार्यक्रमों के अच्छे परिणाम आए हैं। विश्वविद्यालय हैरिटेज जीन बैंक के माध्यम से राज्य के पशुपालकों और गौशालाओं को उन्नत जर्मप्लाज्म उपलब्ध करवा रहा है। वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा दुग्ध गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना जयपुर में की गई है। कुलपति प्रो. शर्मा ने सभी नस्लों पर किए गए अनुसंधान उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. कथीरिया ने विश्वविद्यालय की हिन्दी मासिक पत्रिका "पशुपालन नये आयाम" के नवीन अंक का विमोचन किया। वेटरनरी विश्वविद्यलय के अधिष्ठाता प्रो. राकेश राव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। राठी अनुसंधान केन्द्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. विजय बिश्नोई ने राठी गौवंश संवर्द्धन कार्यों की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक प्रो. आर.के. सिंह, कुलपति के विशेषाधिकारी प्रो. आर.के. धूड़िया, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एस.सी. गोस्वामी, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर अध्ययन प्रो. ए.के. कटारिया, निदेशक पी.एम.ई. प्रो. अंजु चाहर, निदेशक क्लिनिक्स प्रो. जे.एस. मेहता एवं निदेशक (कार्य) एम. राम भी मौजूद थे। डॉ. कथीरिया ने राजुवास के शल्य चिकित्सा विभाग के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक का अवलोकन किया। डॉ. प्रवीण बिश्नोई विभागाध्यक्ष शल्य चिकित्सा ने आधुनिक पशुचिकित्सा सेवाओं की जानकारी प्रदान की। बैठक में डीन–डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष, प्रमुख अनुसंधान अन्वेषकों सहित विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर व शोधार्थी छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद थे।

सह–समन्वयक
जनसम्पर्क प्रकोष्ठ